हरित विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिये मुख्यमंत्री नगरीय विकास योजना

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

पाँच वर्ष की योजना के लिये 750 करोड़ रूपये का प्रावधान

नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रदेश के नगरीय क्षेत्र में हरित स्थान विकास और सौन्दर्यपरक पर्यावरण के लिये मुख्यमंत्री नगर विकास योजना के क्रियान्वयन का निर्णय लिया है।

पाँच वर्ष की इस योजना में वर्ष 2028-29 तक के लिये 750 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। यह योजना राज्य सरकार द्वारा अपने वित्तीय संसाधनों से संचालित करेगी। विभाग द्वारा प्रत्येक नगर वन के विकास के लिये अधिकतम 2 करोड़ 50 लाख रूपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। योजना में न्यूनतम क्षेत्रफल प्रति एकड़ 10 लाख रूपये नगर वन के सृजन के लिये नगरीय निकायों को अनुदान स्वरूप दिये जाएंगे। योजना के संबंध में नगरीय निकायों को निर्धारित प्रावधान के अनुसार प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिये गये है। प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों में जन-भागीदारी से नागरिकों की सुविधा के लिये अद्योसंरचना विकास के लिये मुख्यमंत्री जन-सहभागिता निर्माण'' योजना चलाने का भी निर्णय लिया है। योजना में 150 करोड़ रूपये प्रति वर्ष के मान से 5 वर्षों के लिये 750 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। योजना में प्रतिवर्ष नगरपालिक निगमों के लिये 5 करोड़ रूपये, नगरपालिकाओं को एक करोड़ रूपये और नगर परिषदों को 25 लाख रूपये का अनुदान दिया जाएगा। जन-भागीदारी एवं राज्य शासन की आर्थिक सहायता का अनुपात समान रूप से 50-50 प्रतिशत रहेगा। योजना में नगरीय क्षेत्र के मोहल्लों में सीमेंट- कांक्रिट निर्माण, सीवरेज की उचित व्यवस्था के साथ कचरे के निपटान की उचित व्यवस्था को वरीयता दी जाएगी। योजना का क्रियान्वयन वर्ष 2028-29 तक किया जाएगा। प्रदेश में नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने शासकीय वाहनों को 80 प्रतिशत तक इलेक्ट्रिक वाहनों में परिवर्तित करने का कार्यक्रम बनाया है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर और उज्जैन को ईव्ही मॉडल सिटी के रूप में विकसित किया जाएगा। प्रदेश में इलेक्ट्रिक वाहन के लिये हर 20 कि.मी. पर चार्जिंग स्टेशन और हाई-वे पर 100 कि.मी. पर फास्ट चार्जिंग सुविधा स्थापित करने का कार्य शुरू कर दिया गया। मध्यप्रदेश की ईव्ही नीति में सार्वजनिक चार्जिंग स्टेशन खोलने पर सब्सिडी का प्रावधान भी किया गया है। इसके अलावा प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजनांतर्गत 6 शहरों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर, सागर और उज्जैन में 552 शहरी बसों के संचालन पर तेजी से कार्य किया जा रहा है।

नर्मदा परिक्रमा पथ को विकसित करनें और मां नर्मदा के अविरल प्रवाह का लिया संकल्प

सीएम ने नर्मदापुरम के दादा कुटी में प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए पूजा अर्चना की

हवन कर 108 पौधों की पूजा-अर्चना की अवधूत श्री दादा गुरु के सानिध्य में कन्या-पूजन कर आध्यात्मिक चर्चा की

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने रविवार को नर्मदापुरम जिले के अवधूत श्री दादा गुरु के दादा कुटी में पहुंचकर हवन कर पूजा-अर्चना की एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दादा कुटी में 108 विभिन्न प्रजातियों के पौधों का पूजन-अर्चन किया एवं नर्मदा परिक्रमा पथ को विकसित करने एवं मां नर्मदा नदी के अविरल प्रवाह के लिए संकल्प लिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अवधूत श्री दादा गुरु के मार्गदर्शन में संतों के चित्र पर माल्यार्पण कर पूजन-अर्चन की। मुख्यमंत्री ने अवधूत श्री दादा गुरू के साथ आध्यात्मिक चर्चा की एवं प्रदेश की सुख-समृद्धि के लिए निरंतर प्रयास करने का संकल्प लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश सरकार ने 30 मार्च से जल गंगा संवर्धन अभियान समूचे प्रदेश में प्रारंभ किया है। इस अभियान के तहत बंद एवं लुप्त हो चुकी जल संरचनाओं को पुनर्जीवित कर उन सभी जल संरचनाओं का जीर्णोद्धार किया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत मां नर्मदा के संपूर्ण परिक्रमा पथ को विकसित करने का संकल्प लिया गया है। साथ ही मां नर्मदा के अविरल प्रवाह के लिए भी संकल्प लिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि इस संकल्प में दादा गुरू का आर्शीवाद हमें प्राप्त हुआ है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नर्मदा पथ से होकर जाने वाले नर्मदा परिक्रमावासियों के लिए सभी सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी। उनके लिए धर्मशाला एवं अन्य व्यवस्थाएँ भी प्राथमिकता से की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे नर्मदा परिक्रमावासियों के लिए सभी आध्यात्मिक गतिविधियां सरल एवं सुगम हो सकेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि मध्यप्रदेश शासन प्रदेश के सभी तीर्थ स्थलों को सुव्यवस्थित एवं विकसित करनें के लिए कृत-संकल्पित है। उन्होंने प्रदेशवासियों को रामनवमी की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि वे आज मैहर एवं चित्रकूट भी जा रहे हैं। आज चित्रकूट का गौरव दिवस है। भगवान श्रीराम ने अपने वनवास के कुछ वर्ष चित्रकूट में बिताये थे। चित्रकूट में रामनवमी के अवसर पर घर-घर में दीप प्रज्ज्वलित किये जाऐंगे। इस अवसर पर दादा कुटी में सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी, नर्मदापुरम विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, सोहागपुर विधायक श्री विजयपाल सिंह, पिपरिया विधायक श्री ठाकुरदास नागवंशी, सिवनी मालवा विधायक श्री प्रेमशंकर वर्मा, नगरपालिका नर्मदापुरम की अध्यक्ष श्रीमती नीतू महेन्द्र यादव सहित प्रीति पवन शुक्ला, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष श्री अखिलेश खंडेलवाल, सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी और नागरिक मौजूद रहे।

उप स्वास्थ्य केन्द्र भवन का लोकार्पण

बेहतर स्वास्थ्य सेवा के लिये राज्य सरकार प्रतिबद्धः स्कूल शिक्षा मंत्री

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

स्कूल शिक्षा एवं परिवहन मंत्री श्री उदय प्रताप सिंह ने कहा है कि नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएँ देने के लिये राज्य सरकार प्रतिबद्ध है। सरकारी अस्पतालों में स्वास्थ्य से जुड़ी सुविधाओं का लगातार विस्तार किया जा रहा है। मंत्री श्री सिंह नरसिंहपुर जिले के विकासखण्ड साईंखेड़ा के अंतर्गत आने वाले ग्राम डुंगरिया में 65 लाख रुपये लागत से नव-निर्मित उप स्वास्थ्य केन्द्र और सीएचओ आवासीय भवन के लोकार्पण के बाद जन-समुदाय को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री श्री सिंह ने कहा कि इस स्वास्थ्य केन्द्र में मरीजों की बीपी, शुगर की जाँच, गर्भवती महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण और टीकाकरण किया जा सकेगा। मरीजों को यहाँ निःशुल्क दवाइयाँ उपलब्ध रहेंगी। उन्होंने ग्रामीणों को आयुष्मान कार्ड के महत्व के बारे में बताया। जल गंगा संवर्धन अभियान की चर्चा करते हुए श्री सिंह ने कहा कि इस महत्वपूर्ण कार्य में जिले में जन-भागीदारी अधिक से अधिक हो, इसके लिये सभी के प्रयास की जरूरत है। उन्होंने करीब 3 करोड़ 75 लाख रुपये लागत के पनागर से डुंगरिया मार्ग का भूमि-पूजन भी किया।

हरित विकास और पर्यावरण संरक्षण के लिये मुख्यमंत्री नगरीय विकास योजना

पीपुल्स प्रवक्त, भोपाल। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने प्रदेश के नगरीय क्षेत्र में हरित स्थान विकास और सौन्दर्यपरक पर्यावरण के लिये मुख्यमंत्री नगर विकास योजना के क्रियान्वयन का निर्णय लिया है। पाँच वर्ष की इस योजना में वर्ष 2028-29 तक के लिये 750 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है। यह योजना राज्य सरकार द्वारा अपने वित्तीय संसाधनों से संचालित करेगी। विभाग द्वारा प्रत्येक नगर वन के विकास के लिये अधिकतम 2 करोड़ 50 लाख रूपये की वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। योजना में न्यूनतम क्षेत्रफल प्रति एकड़ 10 लाख रूपये नगर वन के सृजन के लिये नगरीय निकायों को अनुदान स्वरूप दिये जाएंगे। योजना के संबंध में नगरीय निकायों को निर्धारित प्रावधान के अनुसार प्रस्ताव भेजने के निर्देश दिये गये है। प्रदेश में नगरीय क्षेत्रों में जन-भागीदारी से नागरिकों की सुविधा के लिये अद्योसंरचना विकास के लिये ÷मुख्यमंत्री जन-सहभागिता निर्माण'' योजना चलाने का भी निर्णय लिया है। योजना में 150 करोड़ रूपये प्रति वर्ष के मान से 5 वर्षों के लिये 750 करोड़ रूपये का प्रावधान किया गया है।

मंत्री टेटवाल को डी लिट की मानद उपाधि से किया गया सम्मानित

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

शिक्षा, तकनीकी नवाचार और कौशल विकास के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल को अमलतास विश्वविद्यालय, देवास के दीक्षांत समारोह में डॉक्टर ऑफ लिटरेचर की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। मंत्री श्री टेटवाल को यह उपाधि शिक्षा को रोजगारोन्मुख बनाने, युवाओं को तकनीकी दक्षता से जोड़ने तथा आधुनिक और व्यावहारिक शिक्षा व्यवस्था को बढ़ावा देने के उनके सतत प्रयासों के लिए प्रदान की गई है।

उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. इंदर सिंह परमार ने उन्हें डी. लिट की मानद उपाधि प्रदान कर सम्मानित किया। मंत्री मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि यह सम्मान उनके लिए जीवन का गौरवपूर्ण क्षण है। उन्होंने कहा कि यह केवल उनका व्यक्तिगत नहीं, बल्कि उन सभी शिक्षकों, विद्यार्थियों, तकनीकी विशेषज्ञों और युवाओं का सम्मान है, जो अपने ज्ञान व कौशल के माध्यम से प्रदेश और देश के विकास में योगदान दे रहे हैं। मंत्री श्री टेटवाल ने कहा कि शिक्षा और तकनीक आज के युग की सबसे बड़ी शक्ति है और उनका सदैव प्रयास रहा है कि शिक्षा को रोजगार से जोड़ते हुए युवाओं को आत्मनिर्भर बनाया जाए। मंत्री श्री टेटवाल सारंगपुर विधानसभा क्षेत्र से दूसरी बार विधायक निर्वाचित हुए हैं। उनके नेतृत्व में मध्यप्रदेश में तकनीकी शिक्षा, औद्योगिक प्रशिक्षण एवं डिजिटल कौशल के क्षेत्र में कई नवाचार हुए हैं।

राष्ट्रीय स्तर का तीन दिवसीय प्रशिक्षण 7 से 9 अप्रैल को भोपाल में होगा

प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर प्रशिक्षण

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल द्वारा कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय भारत सरकार के सहयोग से 7 से 9 अप्रैल तक 3 दिवसीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग पर आधारित फसल उपज मॉडलिंग प्रशिक्षण का आयोजन विज्ञान भवन भोपाल मे किया जा रहा है। प्रशिक्षण में मध्यप्रदेश समेत देश के विभिन्न राज्यों के लगभग 100 प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। इस प्रशिक्षण का मुख्य उद्देश्य कृषि क्षेत्र में तकनीकि विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में, आर्टिफिशल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग तकनीकि का प्रचलन बढ़ाना है7 इस तीन दिवसीय प्रशिक्षण के दौरान आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस मॉडलों जैसे तथा डीप लर्निंग तकनीकों पर, राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, इसरो, हैदराबाद, मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, भोपाल एवं महालनोबिस राष्ट्रीय फसल पूर्वानुमान केंद्र, नई दिल्ली के विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को प्रशिक्षित किया जायेगा।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग आधारित फसल उपज मॉडलिंग प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रतिभागियों को रिमोट सेंसिंग तकनीकि का उपयोग करके सटीक फसल उपज अनुमान के लिए आवश्यक कौशल और ज्ञान प्रदान करने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। इसका लक्ष्य फसल बीमा दावा निपटान प्रक्रियाओं में पारदर्शिता बढ़ाना है, जिससे प्रौद्योगिकी आधारित तकनीकि का प्रभावी रूप से क्रियान्वयन किया जा सके। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना, भारत सरकार की एक प्रमुख योजना है। मध्यप्रदेश में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का क्रियान्वयन वर्ष 2022 से किया जा रहा है। इस कार्य मे मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद साथ राष्ट्रीय सुदूर संवेदन केंद्र, इसरो, हैदराबाद, कृषि विभाग, मध्यप्रदेश शासन एवं एमपीएसईडीसी भी सहयोग कर रहे है। मध्यप्रदेश अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का फसल बीमा मे उपयोग करने बाला देश मे पहला राज्य हैं।

मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद द्वारा अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का उपयोग फसल बीमा के अंतर्गत तकनीकी पार्टनर के तौर पर कृषि विभाग, राजस्थान सरकार के लिए भी किया जा रहा हैं। प्रशिक्षण के शुभारम्भ कार्यक्रम में मध्यप्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के महनिदेशक डॉ अनिल कोठारी, संचालक कृषि विभाग, मध्यप्रदेश शासन एवं कृषि मंत्रालय भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मुख्य रूप से उपस्थित रहेंगे।

जल संरक्षण के कार्यों में समाज के प्रत्येक वर्ग का मिल रहा है सहयोग

भोपाल। प्रदेश में 30 मार्च से शुरू किये गये जल गंगा संवर्धन अभियान को अब समाज के प्रत्येक वर्ग का सहयोग मिल रहा है। अभियान के जरिये कुओं, नदियों, तालाबों, बावड़ियों के साथ स्टॉप डेम के आसपास साफ-सफाई और गहरीकरण के कार्य को प्राथमिकता के साथ किया जा रहा है। जन-भागीदारी के कार्यों में प्रशासनिक अमला भी कँधे से कँधा मिलाकर सहयोग कर रहा है। छिंदवाड़ा में कलेक्टर श्री शीलेंद्र सिंह के निर्देशन में जन-अभियान परिषद ने छोटा तालाब के कुण्ड की साफ-सफाई का कार्य शुरू किया। कार्य में नगर निगम के स्वच्छता ब्रॉण्ड एम्बेसडर श्री विनोद तिवारी, विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों और वॉलेंटियर्स ने श्रमदान किया। कुण्ड में पॉलिथीन और बेकार सामग्री को हटाया गया। सफाई कार्य के दौरान नागरिकों को शहर के खूबसूरत छोटे तालाब को साफ रखने का संकल्प दिलाया गया। जन-अभियान परिषद के जिला समन्वयक श्री अखिलेश जैन ने बताया कि जल गंगा संवर्धन अभियान 30 जून तक निरंतर जारी रहेगा। परिषद के सहयोग से जिलेभर में नुक्कड़ नाटक एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिये जन-सामान्य में जल-स्रोतों को साफ रखने के प्रति जन-जागरूकता लायी जायेगी। देवास जिले में कलेक्टर और जिला पंचायत सीईओ की देख-रेख में जल गंगा संवर्धन अभियान में जल-स्रोतों की सफाई का कार्य हाथ में लिया गया है।

वीडियो वायरल होने पर फील्ड स्टाफ पर होगी कार्रवाई

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल। कूनो आगरा रेंज की सीमा के पास मानव बस्ती के करीब कृषि क्षेत्र में घूम रहे चीता ज्वाला और उसके 4 शावक के नजदीक जाकर पानी पिलाने और उसका वीडियो वायरल करने पर फील्ड स्टाफ के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। वन विभाग द्वारा जानकारी दी गयी कि सामान्य तौर पर निगरानी टीम को निर्देश दिये गये हैं कि जब भी ऐसी स्थिति उत्पन्न हो तो चीता को जंगल की ओर वापस मोड़ने एवं लुभाने के प्रयास किये जायें, जिससे मानव-चीता संघर्ष की स्थिति न बने। साथ ही जब भी चीता कृषि क्षेत्र में या मानव बस्ती के करीब जाता है, ऐसी स्थिति में संबंधित रेंज से अतिरिक्त स्टाफ बुलाया जाता है। इस प्रकरण में भी आगरा रेंज से अतिरिक्त फील्ड स्टाफ बुलाया गया था। वन विभाग की ड्यूटी के लिये आगरा रेंज के कूनो डब्ल्यूएलडी में रखे गये वाहन चालक ने ज्वाला और उसके 4 शावकों को स्टील के कटोरे में पानी पिलाया, जबकि ऐसी स्थिति में दूर रहने के स्पष्ट निर्देश हैं और निगरानी दल को चीतों को नजदीक से संभालने का प्रशिक्षण भी दिया गया है। केवल अधिकृत कर्मचारी ही किसी विशेष कार्य के लिये चीते के नजदीक जा सकता है। इस घटना में फील्ड स्टाफ ने निर्देशों का उल्लंघन किया और अनुशासनहीनता दिखायी। साथ ही अनुशासन और निर्देश की अवहेलना करते हुए वीडियो बनाकर वायरल किया गया। इस कारण कर्मचारियों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

मुख्यमंत्री श्रीराम प्राकट्य पर्व एवं चित्रकूट गौरव दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए

चित्रकूट सनातन संस्कृति, सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना का है जीवंत केंद्रः डॉ. यादव

पीपुल्स प्रवक्ता, भोपाल।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि चित्रकूट केवल एक धार्मिक स्थल ही नहीं, हमारी सनातन संस्कृति, सामाजिक और राष्ट्रीय चेतना का जीवंत केंद्र है। यह परमधाम मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम की तपोस्थली है, जहां भगवान श्रीराम, माता जानकी और भैया लखन के साथ सदा सर्वदा निवास करते हैं। रामनवमीं के दिन मैं तपोभूमि चित्रकूट में आकर धन्य हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रविवार को श्रीराम प्राकट्य पर्व एवं चित्रकूट गौरव दिवस कार्यक्रम में दीपदान किया। उन्होंने मां मंदाकिनी की पूजा-अर्चना भी की।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मंदाकिनी के तट पर भरत घाट में आयोजित कार्यक्रम में कहा कि आज का दिन सौभाग्यशाली है। आज पवित्र नौवीं तिथि है और कामतानाथ जी की नगरी चित्रकूट अपना गौरव दिवस मना रही है। चित्रकूट के घाटों पर असंख्य दीपदान की अलौकिक छटा दिख रही है। भरत घाट, कामदगिरि पर्वत, कामतानाथ स्वामी मंदिर के साथ चित्रकूट के सभी मंदिरों और घर-घर एवं गली, मोहल्लों, रास्तों में दीपमालाओं की अनुपम छटा देखते ही बन रही है। उन्होंने नगर वासियों को रामनवमीं एवं चित्रकूट गौरव दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई दी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि चित्रकूट में सदुरु सेवा ट्रस्ट, दीनदयाल शोध संस्थान के द्वारा पीड़ित मानवता की सेवा के लिए नाना जी के संकल्पों को पूरा किए जाने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में 19 धार्मिक स्थलों में एक अप्रैल से शराबबंदी लागू कर दी गई है, जिससे हमारे देव स्थानों में विकृतियां न पनपें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास की ओर अग्रसर है।

सर्वसम्मति से जो भी निर्णय हो रहे हैं उसे पूरा देश स्वीकार करता है। उन्होंने कहा कि गरीब मुस्लिम भाई-बहनों के लिए संसद में चर्चा व विचार-विमर्श के बाद वक्फ संशोधन विधेयक को स्वीकृति मिली है जो हमारे लोकतंत्र की खूबी को दिखा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी प्रदेशवासी त्यौहार में शुभ संकल्प लें और प्रदेश के विकास के लिए समवेत हों। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने चित्रकूट के गौरव दिवस पर कलाकारों का सम्मान किया। कार्यक्रम स्थल पहुंचने पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव का अंग वस्त्रम पहनाकर स्वागत किया गया। सांसद सतना श्री गणेश सिंह ने स्वागत उद्बोधन में कहा कि यह परम सौभाग्य है कि चित्रकूट की पावन धरा में श्रीराम के प्राकट्य पर्व और चित्रकूट गौरव दिवस के आयोजन में मुख्यमंत्री जी का आगमन हुआ है। गौरव दिवस पर मां मंदाकिनी के भरत घाट सहित चित्रकूट में 11 लाख दीपों से धर्मनगरी जगमगा उठी। इस अवसर पर रंगोली बनाकर लोगों ने अपने उत्साह का परिचय दिया। चित्रकूट गौरव दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में विदेशी पर्यटकों ने भी उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम में नगरीय विकास राज्यमंत्री श्रीमती प्रतिमा बागरी, विधायक चित्रकूट सुरेंद्र सिंह गहरवार, डीआरआई के संगठन सचिव श्री अभय महाजन, पद्मश्री से सम्मानित श्री बीके जैन, कलेक्टर डॉ. सतीश कुमार एस,प्रशासनिक अधिकारी तथा बड़ी संख्या में शहरवासी, श्रद्धालु व आमजन उपस्थित रहे।